सूर्य संक्रान्ति सम्मोहन-आकर्षण वृद्धि दीक्षा

मकर संक्रान्ति पूजन मुहुर्त 14 जनवरी दिन 11:16 AM से 15 जनवरी 06:55 PM तक



सूर्य को सृष्टि का संचालक कहा जाता है, क्योंकि पृथ्वी पर जीवन का आधार सूर्य ही है। सूर्य के बिना पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं और मनुष्य के जीवन की कल्पना करना असंभव है। सूर्य हमें प्रकाश, ऊष्मा और ऊर्जा प्रदान करता है। भारतीय शास्त्र सूर्य को देवता के रूप में पूजनीय मानते हैं, वहीं विज्ञान की दृष्टि से सूर्य सौरमंडल का केंद्र तथा ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है।

भारतीय धर्म एवं संस्कृति में सूर्य को प्रत्यक्ष देवता माना गया है, क्योंकि वे सभी जीवों को प्रत्यक्ष रूप से प्रकाश और ऊर्जा प्रदान करते हैं। वेदों में सूर्य की स्तुति अनेक मंत्रों के माध्यम से की गई है। गायत्री मंत्र में सविता देव से बुद्धि को प्रेरित करने की प्रार्थना की जाती है। सूर्य को शक्ति, तेज, आरोग्य और जीवन का प्रतीक माना जाता है।

अतः सूर्य प्रकृति, धर्म, आध्यात्मिकता और विज्ञान के बीच एक महत्त्वपूर्ण सेतु है। धार्मिक दृष्टि से वह श्रद्धा का प्रतीक है तथा आध्यात्मिक दृष्टि से ज्ञान एवं चेतना का प्रतीक है। मकर संक्राति का पर्व एक प्रकार से पौष व माघ माह के संक्रमण काल पर घटित होने वाला पर्व है और कदाचित यही मकर संक्रान्ति को सर्वोच्च संक्रान्ति मानने का कारण भी है, क्योंकि इस अवसर पर समस्त मंत्रों को पुष्ट व जाग्रत कर भगवान सूर्य का आगमन इस धरा पर होता है।

साधक सूर्य देव के प्रकाश, ऊर्जा और तेजस्विता को अपने भीतर समाहित कर अपनी मानसिक और शारीरिक शक्ति को प्रबल बनाता है। जिससे मानसिक स्थिरता, निडरता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसी ऊर्जा से व्यक्ति के व्यक्तित्व में ऐसा चुंबकीय आकर्षण उत्पन्न होता है, जिससे समाज, कार्यक्षेत्र या जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उसकी बात में प्रभाव व वजन झलकता है और समस्त रुकावटें दूर होती हैं।

सद्गुरुदेव ने आह्वान किया कि जिस समाज-संस्कृति में हम रह रहे हैं उसमें अंग्रेजी नववर्ष का प्रारम्भ महत्वपूर्ण है और नववर्ष के प्रारम्भ में गुरु-शिष्य का मिलन अवश्य होना चाहिये। सद्गुरुदेव की प्रेरणा से और भी विशेष अद्वितीय शक्तिपात दीक्षा है- 'सूर्य संक्रान्ति सम्मोहन-आकर्षण वृद्धि दीक्षा।' जो साधक और शिष्य के सिद्धियों के द्वार खोल देती है। गुरु का कार्य शिष्य को शिव और शक्ति युक्त करते हुये उसे संहार कार्य और सृष्टि कार्य दोनों से युक्त करना है। गुरु कृपा और साधक का कर्म मूलतः एक ही शक्ति है इस प्रकार सूर्य शक्ति का एक-एक अणु कर्म के रूप में अभिव्यक्त होकर उच्चता प्राप्त करने में सहायता पहुंचाती है।

सूर्य संक्रान्ति सम्मोहन-आकर्षण वृद्धि दीक्षा न्यौछावर ₹2100

दीक्षा हेतु नूतन फोटो व न्यौ. राशि कैलाश सिद्धाश्रम जोधपुर 7568939648
न्यौ. राशि NIDHI SHRIMALI SBI UIT Branch Jodhpur A/c No.:20287318460
Branch Code: 006590 MICR Code: 342002010 IFSC: SBINN0006490
आश्रम:कैलाश नारायण धाम E1077 सरस्वती विहार दिल्ली-34 011-45058768 9950980966
सद्गुरूदेव जी के साधनात्मक कार्यक्रम GurudevKailash KAILASH SIDDHASHRAM पर देखे।